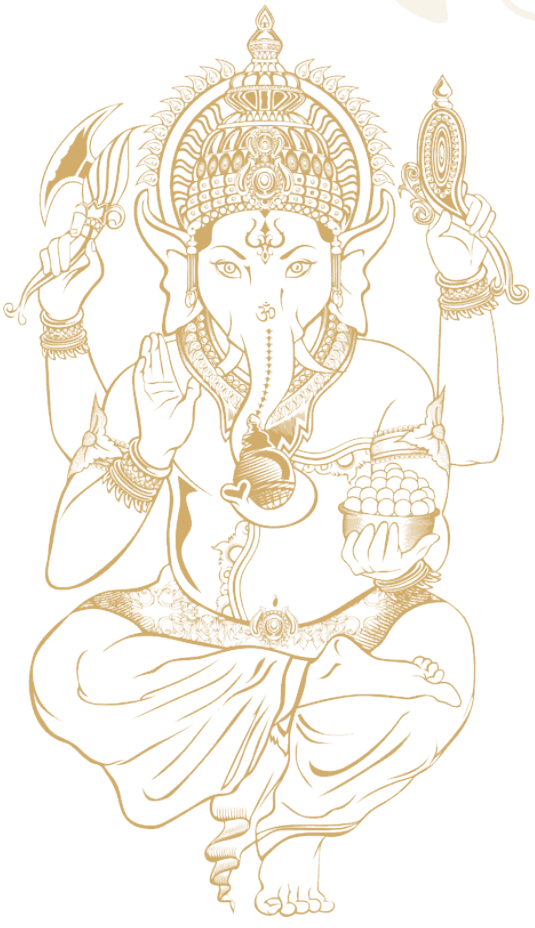

Mr Abhishek singh

Ms.Aditi singh

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119963907

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/12/1993	जन्म तिथि	21/07/1998
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 22:20:00	जन्म समय	20:55:00 घंटे
घटी 40:11:29	जन्म समय(घटी)	39:25:50 घटी
India	देश	India
Dhanbad	स्थान	Aurangabad
23:48:00 उत्तर	अक्षांश	24:45:00 उत्तर
86:27:00 पूर्व	रेखांश	84:30:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:15:48	स्थानिक संस्कार	00:08:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:15:24	सूर्योदय	05:14:41
16:57:41	सूर्यास्त	18:41:43
23:46:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:06

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 3मा 3दि	06:36:48	सिंह	लग्न	कुंभ	15:52:23	राहु 12वर्ष 8मा 11दि
गुरु	23:51:34	वृश्चि	सूर्य	कर्क	04:49:54	गुरु
14/03/2013	04:16:02	तुला	चंद्र	मिथु	10:35:36	03/04/2011
14/03/2029	28:29:38	वृश्चि	मंगल	मिथु	16:24:39	03/04/2027
गुरु 02/05/2015	10:13:30	वृश्चि	बुध	सिंह	00:56:27	गुरु 21/05/2013
शनि 13/11/2017	12:08:57	तुला	गुरु व	मीन	04:12:14	शनि 02/12/2015
बुध 18/02/2020	14:39:24	वृश्चि	शुक्र	मिथु	08:34:50	बुध 09/03/2018
केतु 24/01/2021	01:22:27	कुंभ	शनि	मेष	09:14:57	केतु 13/02/2019
शुक्र 25/09/2023	09:14:10	वृश्चि	राहु व	सिंह	07:58:31	शुक्र 14/10/2021
सूर्य 14/07/2024	09:14:10	वृष	केतु व	कुंभ	07:58:31	सूर्य 02/08/2022
चन्द्र 13/11/2025	26:33:32	धनु	हर्ष व	मक	17:25:53	चन्द्र 02/12/2023
मंगल 19/10/2026	25:53:15	धनु	नेप व	मक	06:59:49	मंगल 07/11/2024
राहु 14/03/2029	02:30:56	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:38:11	राहु 03/04/2027

लग्न-चलित

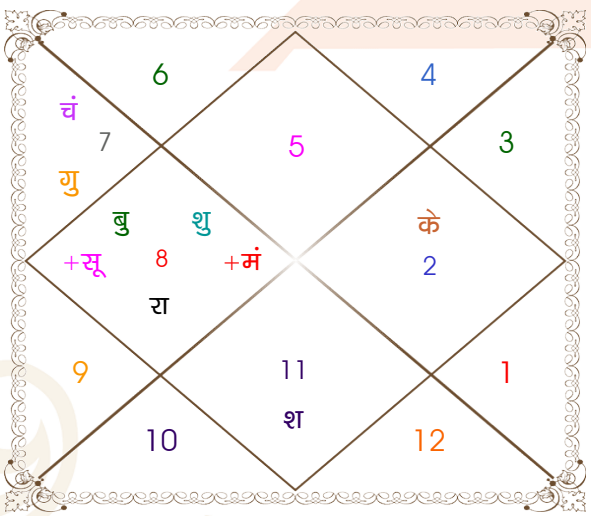

लग्न-चलित

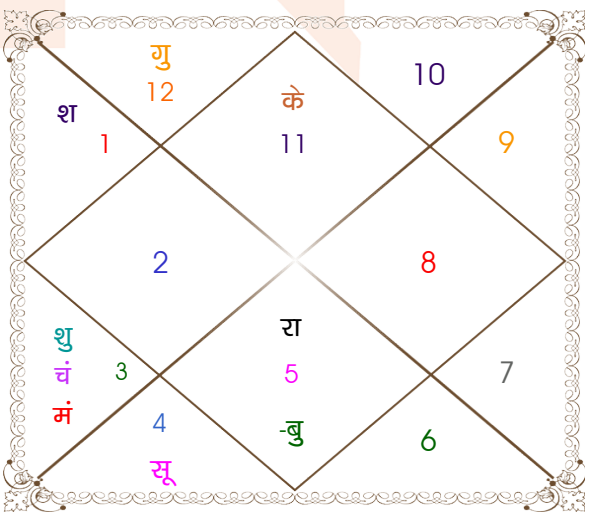

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डत ।ड्डीपीमा`पदही का वर्ग मृग है तथा डेप ।कपजप`पदही का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डत ।ड्डीपीमा`पदही और डेप ।कपजप`पदही का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डत ।ड्डीपीमा`पदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल डत ।ड्डीपीमा`पदही कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डत ।ड्डीपीमा`पदही कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डत ।इीपेीमा`पदही कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण ।कपजप`पदही मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण ।कपजप`पदही कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डत ।इीपेीमा`पदही तथा डेण ।कपजप`पदही में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।